भारत में लुप्त पुरावशेषों का खतरा

प्रलिमि्स के लयि:

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI), यूनेस्को, प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधनियिम 1958, पुरावशेष और कला नधिि अधनियिम 1972

मेन्स के लयि:

लुप्त कलाकृतियों के संबंध में मुद्दे, पुरावशेषों के संरक्षण से संबंधति पहल

चर्चा में क्यों?

"आधकिारकि तौर पर" लुप्त घोषति की गई **कलाकृतयिों** और **वैश्वकि बाज़ारों में जो सामने आ रही हैं** या संग्रहालय के शेल्फों और तालकिा में पाई जा रही कलाकृतयिों के बीच एक बड़ा अंतर है।

- स्वतंत्रता के बाद से [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)](#) द्वारा संरक्षति और अनुरक्षति **3,696 स्मारकों में से 486 पुरावशेष गायब** बताए गए हैं।

लुप्त शलि्पकृतयिों के संबंध में प्रकाशति कयि गए मुद्दे:

- ASI के अनुसार, **वर्ष 2014 में 292** और वर्ष 1976 से 2013 के बीच 13 **पुरावशेष वदिेशों से भारत वापस लाए गए हैं।**
  - ASI की लुप्त पुरावशेषों की सूची में 17 राज्यों और दो केंद्रशासति प्रदेशों के पुरावशेष शामलि हैं। इसमें मध्य प्रदेश के **139**, राजस्थान के **95** और उत्तर प्रदेश के **86** पुरावशेष शामलि हैं।
- संसदीय समतिि ने कहा कि ASI द्वारा वदिेशों से **"पुनर्प्राप्त की गई प्राचीन वस्तुओं की संख्या"** देश से तस्करी करके लाई गई **प्राचीन वस्तुओं की बड़ी संख्या की तुलना में अधकि है जो बड़ी समस्या की छोटी सी झलक है।**
- ASI के अधीन स्मारक और स्थल पूरे देश में **पुरातात्त्वकि स्थलों एवं स्मारकों की कुल संख्या का "छोटा प्रतशित" है।**
- **लुप्त पुरावशेषों के खतरे को [यूनेस्को](#) द्वारा भी वशि्लेषति कयिा गया है।** यह अनुमान है कि **"1989 तक भारत से 50,000 से अधकि कला वस्तुओं की तस्करी की गई है।"**

पुरावशेष (Antiquity):

- **परचिय:**
  - **पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृत अधनियिम, 1972 जो 1 अप्रैल, 1976** को लागू हुआ, **"पुरावशेष" जो कम-से-कम 100 वर्षों से अस्तत्वि में है, को वस्तु या कला** के रूप में परभिाषति करता है।
    - इसमें **सक्किे, मूर्तयिाँ, पेंटगि, पुरालेख, पृथक लेख आद वस्तुएँ** शामलि हैं जो वज्ञिान, साहति्य, कला, धार्मकि प्रथाओं, सामाजकि लोकाचार या ऐतहिासकि राजनीत को चत्रिति करती हैं।
  - "पांडुलपि, रकिॉर्ड या अन्य दस्तावेज़ जो वैज्ञानकि, ऐतहिासकि, साहति्यकि या सौंदर्यवादी मूल्य के हैं" और जनिकी अवध **"75 वर्ष से कम नहीं है", को पुरावशेष के रूप शमलि कयिा जाता है।**
- **संरक्षण पहल:**
  - **भारतीय:**
    - भारत में संघ **सूची की मद- 67, राज्य सूची की मद- 12 तथा संवधिान की समवर्ती सूची की मद- 40** देश की वरिासत से संबंधति हैं।
    - स्वतंत्रता से पहले **पुरावशेष (नरि्यात नयिंत्रण) अधनियिम** अप्रैल 1947 में यह सुनश्चिति करने हेतु पारति कयिा गया था कि बनिा लाइसेंस के कसिी भी पुरावशेष का नरि्यात नहीं कयिा जा सकता है।
    - **प्राचीन स्मारकों और पुरातात्त्वकि स्थलों को वनिाश तथा दुरुपयोग से बचाने हेतु वर्ष 1958 में [प्राचीन स्मारक एवं](#)**

[पुरातत्त्व स्थल व अवशेष अधिनियम] बनाया गया था।

- वैश्विक:
    - **यूनेस्को** ने सांस्कृतिक संपत्ति के **अवैध आयात, निर्यात और स्वामित्व के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने एवं रोकने के साधनों पर अभिसमय 1970** स्थापित किया।
    - [संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद] ने भी संघर्ष वाले क्षेत्रों में **सांस्कृतिक विरासत स्थलों की सुरक्षा हेतु वर्ष 2015 और 2016 में प्रस्ताव पारित किये।**

पुरावशेष का 'उत्पत्ति स्थान':

- उद्गम में वे सभी मालिक सूची में शामिल हैं जब वस्तु ने निर्माता के नियंत्रण को उस समय तक छोड़ दिया था जब वह वर्तमान मालिक द्वारा अधिग्रहण किया गया था।

पुरावशेषों को वापस लाने की प्रक्रिया:

- **श्रेणियाँ:**
    - स्वतंत्रता पूर्व भारत से ले जाए गए पुरावशेष
    - स्वतंत्रता के बाद से मार्च 1976 तक ले जाए गए पुरावशेष
    - अप्रैल 1976 से पुरावशेषों को देश से बाहर ले जाया गया
- **स्वतंत्रता से पहले भारत से बाहर ले जाए गए पुरावशेषों** के लिये उनकी पुनर्प्राप्ति हेतु अनुरोध द्विपक्षीय रूप से या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाना चाहिये।
    - उदाहरण के लिये **नवंबर 2022 में महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज की तलवार को लंदन से वापस लाने के लिये कार्य कर रही है।**
- **दूसरी और तीसरी श्रेणियों** में पुरावशेषों को स्वामित्व के प्रमाण के साथ द्विपक्षीय मुद्दे को उठाकर तथा **यूनेस्को कन्वेंशन का उपयोग करके** आसानी से पुनर्प्राप्त किया जा सकता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????:

प्रश्न 1. भारतीय कला विरासत की रक्षा करना इस समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये। (2018)

प्रश्न 2. भारतीय दर्शन और परंपरा ने भारत में स्मारकों एवं उनकी कला की कल्पना तथा आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चर्चा कीजिये। (2020)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/menace-of-missing-antiquities-in-india